Globalization (pol.sci.) Dr. Kiran madaan

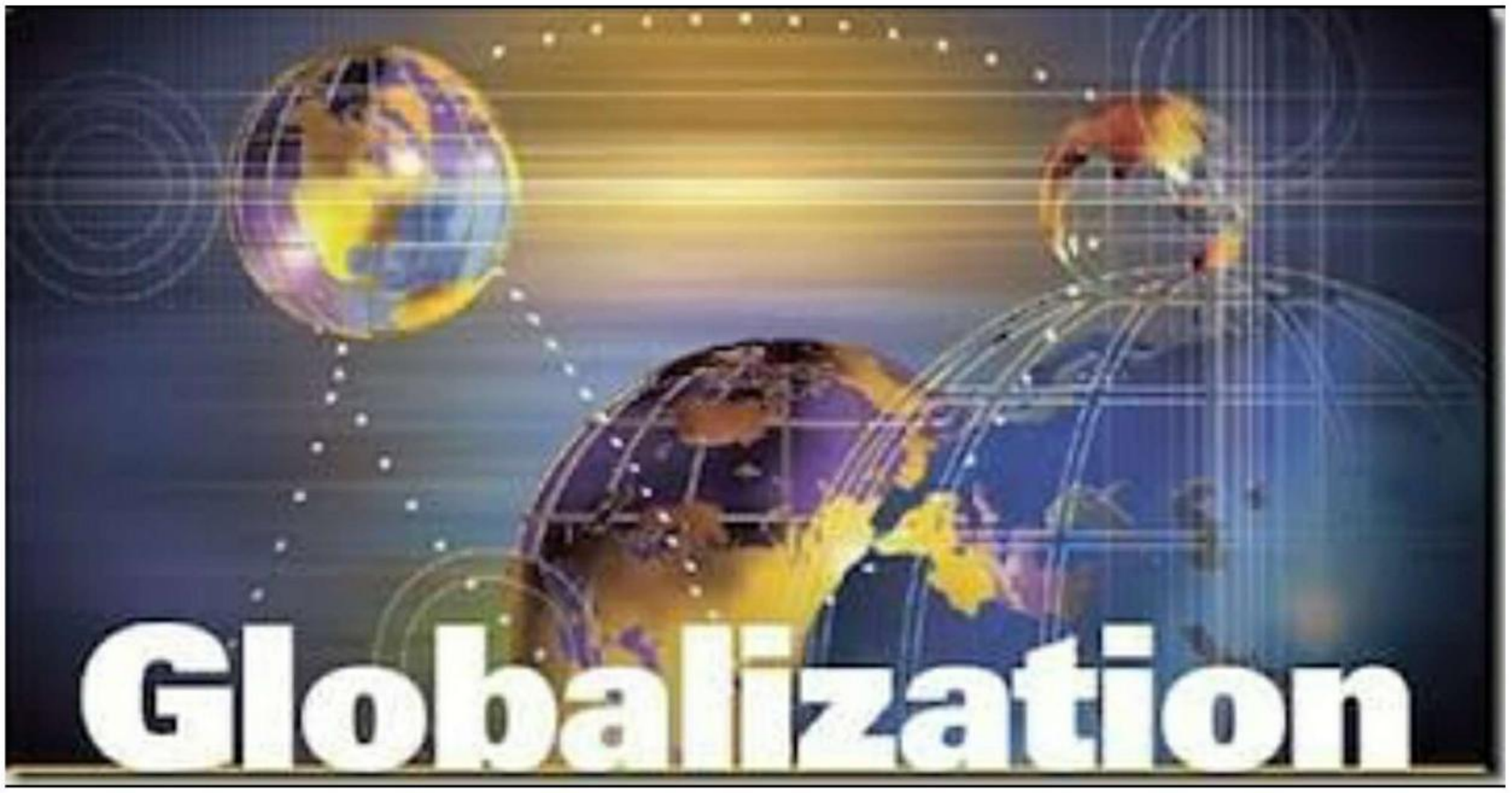

वैश्वीकरण शब्द का प्रयोग कब किसने और किस संदर्भ में किया इसके बारे में कोई निश्चित जानकारी नहीं है कई विचारक वैश्वीकरण को उतना ही प्राचीन मानते हैं जितना कि मानव सभ्यता को परंतु प्राय यह माना जाता है कि वाद-विवाद और चर्चा में वैश्वीकरण का प्रयोग सन 1960 के आसपास होने लगा 1970 के दशक के मध्य में अंतरराष्ट्रीय राजनीति की पुस्तकों में इसका प्रयोग किया जाने लगा इस शब्द को वास्तविक लोकप्रियता सोवियत संघ के पतन और पूर्वी यूरोप में साम्यवाद के पतन तथा शीत युद्ध की समाप्ति के बाद ही प्राप्त हुई उसके पश्चात ही वैश्वीकरण अंतरराष्ट्रीय राजनीति में गरमागरम बहस का विषय बना रहा वैश्वीकरण के समर्थकों और आलोचकों की संख्या बढ़ी है वैशीकरण को अंग्रेजी भाषा में ग्लोबलाइजेशन कहा जाता है जो कि globe से लिया है globe शब्द एक विस्तृत और व्यापक दृष्टिकोण की अभिव्यक्ति करता है जिसमें राष्ट्रों की सीमाएं गौर हो जाती हैं इस तरह ग्रुप शब्द से एक विश्वव्यापी दृष्टिकोण के विचार का अभ्युदय होता है वास्तव में यह विश्वव्यापी दृष्टिकोण विश्व के रास्तों के बीच सीमा एवं दूरी रहित सामाजिक आर्थिक एवं राजनीतिक संबंधों में खुले पन की नीति को व्यक्त करता है वैश्वीकरण का दृष्टिकोण विशेष रूप से शीत युद्ध की समाप्ति सोवियत संघ के विघटन और पूर्वी यूरोप के साम्यवाद के पतन के बाद विशेष रूप से विश्व के समक्ष एक लोकप्रिय दृष्टिकोण के रूप में उभर कर सामने आया है इस तरह समसामयिक विषय में अंतरराष्ट्रीय संबंधों का आधार आर्थिक तत्व पर टिक गया है ।

वैश्वीकरण की परिभाषाएं

एडमिट हरमन के अनुसार ,"वैश्वीकरण विभिन्न राज्यों की सीमाओं के पार प्रबंधकीय विस्तार एवं क्रियाशील प्रक्रिया भी है और साथ ही राष्ट्रीय सीमाओं के पार सुविधाओं तथा आर्थिक संबंधों की एक संरचना भी है जिसका निरंतर विकास हो रहा है तथा साथ ही इसमें परिवर्तन से हो रहा है "

रिचड फॉक के अनुसार ,"वैश्वीकरण एक ऐसी अवधारणा है जो विकसित देशों द्वारा अन्य राष्ट्रों पर थोपी गई है वैश्वीकरण की इस प्रक्रिया के कारण समस्त विश्व एक वैश्विक गांव में परिवर्तित हो गया है यह सूचना तकनीक के कारण ही संभव हुआ है ।"

Robertson के अनुसार," वैश्वीकरण विश्व एकीकरण की चेतना के अभिकरण से संबंध रखने वाली अवधारणा है!"

वैश्वीकरण के उद्देश्य

1. वैश्वीकरण के उद्देश्य वैश्वीकरण के मुख्य उद्देश्य अथवा तत्व निम्नलिखित है नंबर वन पूंजी का स्वतंत्र प्रवाह वैश्वीकरण का उद्देश्य है कि विभिन्न राष्ट्रों में पूंजी का स्वतंत्र प्रवाह होना चाहिए इसके लिए ऐसी व्यवस्था बनाने का प्रयत्न किया जाना चाहिए
2. तकनीकी का स्वतंत्र प्रव।ह

ऐसा वातावरण बनाना है ताकि तकनीकी का प्रभाव भी स्वतंत्र रूप से हो सके इसमें कोई रोक-टोक नहीं होनी चाहिए

Scanned by TapScanner

3. व्यापार अवरोधों को कम करना

इसका अभिप्राय यह है कि विभिन्न देशों में बिना रोक-टोक के वस्तुओं का आदान प्रदान होना चाहिए

4. श्रम का स्वतंत्र प्रभार

इसका अर्थ यह है कि बिना अवरोधों के विश्व के विभिन्न देशों में श्रम का प्रवाह होना चाहिए वैश्वीकरण की विशेषताएं विकरण के अर्थ के आधार पर इसकी कुछ ऐसी विशेषताएं हैं जिनसे ऐसा लगता है कि हम एक नवीन अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिक आर्थिक और सामाजिक व्यवस्था की स्थापना की ओर बढ़ रहे हैं

यह विशेषताएं निम्नलिखित है

1. भौगोलिक दूरी का कम होना

वैश्वीकरण के इस युग में यातायात और संचार के साधनों के द्वारा साधनों में हुए क्रांतिकारी विकास से भौगोलिक दूरियां सिमट गई हैं कंप्यूटर और इंटरनेट की दुनिया में भी तेजी से जोड़ रहे हैं फलस्वरूप विश्व के लोग अपने आप को एक ही परिवार का सदस्य मानने लगे हैं जिससे सबके हित समान है इस तरह से स्पष्ट है कि वैश्वीकरण ने लोगों में एकता की भावना को विकसित किया है

2. ग्लोबल संस्कृति का उदय वैश्वीकरण ने ग्लोबल संस्कृति का विकास किया है विश्व की संस्कृतियों ने एक दूसरे की संस्कृति को प्रभावित किया है आज भारत के लोग अमेरिकन जीवनशैली को अपना रहे हैं जैसे जींस टीशर्ट पासपोर्ट पॉप संगीत और हॉलीवुड फिल्म आदि का प्रयोग इसी तरह से अमेरिका में भी भारतीय रीति-रिवाजों को अपनाया जा रहा है जैसे अमेरिकन वाइट हाउस में दीपावली का त्यौहार मनाया जाना

3. नई अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था का उदय भूमंडलीकरण ने नई अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय व्यापार को जन्म दिया है अंतरराष्ट्रीय आर्थिक नीति में से बदलाव आया है कृषि व सामूहिक विकास की अवधारणा का जन्म हुआ है बैंक बीमा व्यापार के अवसर बढ़े हैं राज्यों की राष्ट्रीय नीति और निवेश प्रभावित हुआ है गेट समझौते से बहुराष्ट्रीय कंपनियों का उत्पादन राष्ट्रीय राज्यों की सीमाओं को तोड़ रहा है व्यापार में खुलापन आया है वास्तव में यह एक पूंजीवादी क्रांति है

4. सभी राष्ट्रों की समस्याएं समान है

वैश्वीकरण की प्रक्रिया में यह भी सर्वसम्मति को भर कर सामने आता है कि सभी राष्ट्रों की समस्याएं समान है जैसे गरीबी भुखमरी पर्यावरण का संतुलन कुपोषण आदि इसके समा धान के लिए भी सार्वभौमिक मूल्यों के रूप में मानव अधिकार पर्यावरण सुरक्षा नारीवाद बालकल्याण उच्च तकनीक मुक्त व्यापार एवं उदारीकरण आदि साधन सार्वभौमिक है

5. शिक्षा का वैश्वीकरण

शिक्षा का वैश्वीकरण हो गया है अमेरिका जैसे औद्योगिक देशों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए विदेशी विद्यार्थियों के हैं उनमें से अधिकांश वहीं रह जाते हैं दूसरी और विकासशील देशों के शिक्षा संस्थानों के कार्यक्रम पाठ्यक्रम भी विश्वस्तरीय हो गए हैं जिससे यहां शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थी विश्व में कहीं भी रोजगार प्राप्त कर सकते है

6. व्यापार एवं निवेश का वैश्वीकरण

वैश्वीकरण की प्रक्रिया से वास्तव में विश्व व्यापार या पी व्यापारिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिला है सभी देश सामान नियमों के अनुशासन में रहकर अपने व्यापार एवं निवेश का संचालन करते हैं विश्वव्यापी व्यापार को बढ़ावा देने के लिए विश्व बैंक अंतरराष्ट्रीय कोष विश्व व्यापार संगठन एवं बहुराष्ट्रीय निगम आदि की स्थापना की गई है इसके अतिरिक्त यहां यह भी उल्लेखनीय है कि व्यापार एवं निवेश के साथ आश्रम बाजार भी विश्वव्यापी हो गया है

7. उदारवादी अर्थव्यवस्था की नीति पर बल

वैश्वीकरण की प्रक्रिया में प्रत्येक देश का अन्य देशों के साथ वस्तु सेवा मूंजी एवं बौद्धिक संपदा का प्रतिबंधित आदान-प्रदान होता है इस तरह वैश्वीकरण कि इसी प्रक्रिया के अंतर्गत विश्व स्तर पर समान अर्थव्यवस्था की स्थापना पर बल दिया गया है यह अर्थव्यवस्था उदारवादी नीति पर आधारित है जिसमें लाइसेंस मुक्त अर्थव्यवस्था खुले बाजार की व्यवस्था खुली प्रतियोगिता पर बल दिया जाता है अतः वैश्वीकरण की प्रक्रिया राष्ट्रों के बीच अधिक से अधिक आर्थिक सहयोग पर बल देती है बहुराष्ट्रीय

Scanned by TapScanner

कंपनियों की सक्रियता

8. भूमंडलीकरण ने बहुराष्ट्रीय कंपनियों की सक्रियता को सारे जगह पर बनाया है बहुराष्ट्रीय कंपनियों का उत्पादन सीमा रहित विश्व का निर्माण कर रहा है विकासशील देशों के परंपरागत उद्योग इससे प्रभावित हुए हैं बहुराष्ट्रीय कंपनियां आज रोजगार के अवसर प्रदान करने वाली कंपनियां बन रही है तकनीकी सेवा वस्तु और पूंजी के अतिरिक्त कंपनियां प्रबंध विशेषज्ञ व श्रमिकों की नियुक्ति में भी रुचि रखने लगी है

9. व्यक्ति की सर्वोच्च स्तिथि वैश्वीकरण की प्रक्रिया व्यक्ति को विश्व नागरिक का रूप देती है ना की किसी एक वर्ग समाज एवं राष्ट्र का दूसरे शब्दों में व्यक्ति के विचरण पर राष्ट्र की सीमाएं बाधा नहीं होंगी

10. विशिष्ट विचारधारा पर आधारित नहीं

वैश्वीकरण की प्रक्रिया में कोईविचारधारा तमक संघर्ष नहीं हैवास्तव में वास्तव में वैश्वीकरण की प्रक्रिया विकासवादी है वैश्वीकरण की प्रक्रिया में राष्ट्रों के बीच दूरियों को समाप्त करने के लिए सूचना तकनीक एवं अन्य विकास संबंधी क्रियाओं के माध्यम से स्थानीय विकास से अंतरराष्ट्रीय विकास की ओर अग्रसर होना मुख्य उद्देश्य है

11. राष्ट्र राज्य की सीमाओं में परिवर्तन

वैश्वीकरण की अवधारणा ने राष्ट्रीय राज्यों की सीमाओं में परिवर्तन किया है इसमें बहुराष्ट्रीय कंपनियों की भूमिका प्रभावी रही है राष्ट्रीय संप्रभुता की धारणा ध्वस्त होने लगी है देशों की सीमाओं का महत्व भौगोलिक रह गया है संचार क्रांति और अन्य तकनीकी विकास ने विभिन्न देशों जातियों नस्लों को नई गतिशीलता प्रदान की है दुनिया से सिमट कर एक गांव जैसी बन गई है राष्ट्रीय राज्य भूमंडलीकरण के कारण जातियों नस्लों को नई गतिशीलता प्रदान की है राष्ट्र राज्य की सीमाओं में परिवर्तन वैश्वीकरण की अवधारणा ने राष्ट्रीय राज्यों की सीमाओं में परिवर्तन किया है इसमें बहुराष्ट्रीय कंपनियों की भूमिका प्रभावी रही है राष्ट्रीय संप्रभुता की अवधारणा ध्वस्त होने लगी है देशों की सीमाओं का महत्व भौगोलिक रह गया है संचार क्रांति और अन्य तकनीकी विकास ने विभिन्न देशों जातियों नस्लों को नई गतिशीलता प्रदान की है दुनिया सिमट कर एक गांव जैसी बन गई है राष्ट्रीय राज्य भूमंडलीकरण के कारण वैश्विक गांव बन गए हैं अतः स्पष्ट है कि राष्ट्र राज्यों की परंपरागत सीमाओं का अर्थ वैश्वीकरण के साथ परिवर्तित हो गया है।

निष्कर्ष

उपयुक्त विवेचन के आधार पर कहा जा सकता है कि वैश्वीकरण की अवधारणा ने राष्ट्रों के बीच न केवल भौगोलिक दूरियों को समाप्त किया है बल्कि ग्लोबल कृति शिक्षा का वैश्वीकरण उदार आर्थिक नीति निर्बाध व्यापार एवं विदेश निवेश की नीति को अपनाकर विश्व व्यवस्था के लिए नए आयाम स्थापित करते हुए विश्व की समस्याओं को साजे रूप में सोचने एवं निराकरण करने की ओर सामूहिक रूप से अग्रसर किया है

Last modified: 12:25

Scanned by TapScanner